Video #693

Resources by Dhruv Rathee

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
1	8 August 1947 को Air India का aircraft DN-438 बॉम्बे से दिल्ली के लिए उड़ता है। इस aircraft में तीन लोग बैठे हुए थे। हिंदू महासभा के founder Vinayak Damodar Savarkar और उनके 2 trusted lieutenants, Nathuram Godse और Narayan Apte।	Book : The Murderer, The Monarch And The Fakir (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Murderer-Monarch-Fakir-Investigation-Assassination/dp/9354890539
2	ये लोग Hindu Mahasabha की Working Committee meeting के लिए दिल्ली जा रहे थे। पिछले कुछ महीनों से सावरकर की तबीयत ख़राब चल रही थी और वो बॉम्बे से बाहर travel नहीं करते थे लेकिन वो इस बार दिल्ली जा रहे थे।	Book : The Murderer, The Monarch And The Fakir (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Murderer-Monarch-Fakir-Investigation-Assassination/dp/9354890539
3	इस trip से पहले Narayan Apte, महाराष्ट्र के Ahmednagar में जाकर Digambar Badge (दिगम्बर बड़गे) से मिलते हैं जो एक arms dealer थे। Narayan Apte july 1947 में Digambar Badge से 1200 रुपए में एक sten-gun ख़रीदते हैं। उनके साथ Gun ख़रीदने में Vishnu Karkare भी थे।	Book : The Murderer, The Monarch And The Fakir (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Murderer-Monarch-Fakir-Investigation-Assassination/dp/9354890539
4	दिल्ली आकर Godse और Apte, Gwalior से आने वाले Dattatreya Parchure (दत्तात्रेय परचुरे) से मिले जो Hindu Rashtra Sena चलाते थे। यह पहली बार था जब गांधी की हत्या के accused सभी लोग एक साथ थे।	Book : The Murderer, The Monarch And The Fakir (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Murderer-Monarch-Fakir-Investigation-Assassination/dp/9354890539

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
5	Dattatreya Parchure ने बाद में एक Beretta gun का जुगाड़ किया जिससे गांधी की हत्या हुई, Narayan Apte, logistics के incharge थे, Vishnu Karkare को जिम्मेदारी दी गई कि वो एक आदमी को ढूंढे जो Gandhi की हत्या करेगा और Vinayak Damodar Savarkar इनकी guiding spirit थे।	Book : The Murderer, The Monarch And The Fakir (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Murderer-Monarch-Fakir-Investigation-Assassination/dp/9354890539
6	इससे पहले भी 2 बार नाथूराम गोडसे, गांधी को मारने की कोशिश कर चुका था। नाथूराम गोडसे ने सबसे पहले गांधी को मारने की कोशिश मई 1944 में की थी। गांधी इस वक्त पूना के पास पंचगनी में रह रहे थे। Narayan Apte और नाथूराम गोडसे इस वक्त 18-20 लोग लेकर पंचगनी पहुँचे और गांधी के ख़िलाफ़ protest शुरू कर दी।	MK Gandhi .org	https://www.mkgandhi.org/faq/q29.php
7	इसके बाद सितंबर 1944 में गांधी जिन्ना को पाकिस्तान की demand करने से रोकने के लिए उनके साथ मिलने वाले थे। लेकिन Nathuram Godse और उसके साथी L G Thatte ने कहा कि वो किसी भी हालत में गांधी को जिन्ना से नहीं मिलने देंगे। गोडसे कई लोगों को लेकर गांधी के सेवाग्राम आश्रम पहुँच गया और वहाँ ये गांधी को Bombay जाने से रोकने के लिए आश्रम के gate पर खड़े हो गए। नाथूराम गोडसे एक बार फिर अपना चाकू निकाल कर गांधी की तरफ़ दौड़ा लेकिन उसको पकड़ लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया।	MK Gandhi .org	https://www.mkgandhi.org/faq/q29.php

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
8	अपनी किताब Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse में journalist Dhirendra Jha बताते हैं कि इसके बाद Planned तरीके से गांधी की हत्या का idea जुलाई 1947 में पूना के शिवाजी मंदिर में discuss हुआ था। इस meeting में Narayan Apte और Nathuram Godse दोनों थे। इसी meeting में एक Gandhian: Gajanan Narayan Kanitkar भी थे जिन्होंने 23 July 1947 को Bombay Province के Chief Minister B.G. Kher को भी एक चिट्ठी लिखकर इस meeting की जानकारी दी।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
9	अब यहाँ पर यह जो characters है Nathuram Godse और Narayan Apte, इनके बारे में थोड़ा सा जान लेते हैं . Nathuram अपने माता-पिता को पैदा होने वाला चौथा लड़का था, लेकिन उससे पहले पैदा हुए सभी लड़के infancy में ही मर गए, जबकि उनकी लड़की ज़िंदा रही। उनको लगा कि उनके परिवार में पैदा होने वाले लड़कों पर कोई curse(श्राप) है और इसकी वजह से उन्होंने इस लड़के को एक लड़की की तरह बड़ा करने का decision लिया। इस लड़के की नाक छिदवा दी गई और उसको एक nose ring (नथ) पहना दी गई। स्कूल जाने से पहले तक वो लड़कियों के कपड़े भी पहनता था। नथ पहनने की वजह से इसका नाम nathuram पड़ गया, जबकि official नाम Ramachandra Vinayak Godse था।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
10	इसके बाद 1929 में Nathuram, 10th में fail हो गया, और रत्नागिरी चला गया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
11	Chitpawan Brahmin community से आते थे। Savarkar पर Britishers ने travel restrictions लगा रखे थे तो वो रत्नागिरी से बाहर नहीं जा सकते थे, उन्होंने गोडसे को groom करना शुरू कर दिया। गोडसे सावरकर से बहुत inspired था	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 2)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
12	इसके बाद Godse ने RSS और सावरकर की पार्टी Hindu Mahasabha join कर ली.	Indian express 30th January 2015	https://indianexpress.com/article/india/india-others/retracing-nathuram-godses-journey-man-who-murdered-the-mahatma-lives-in-an-urn-in-pune-realtor-office/
13	इसी तरह Narayan Apte भी Chitpawan Brahmin community से आता था, और ये 1938 में Savarkar का follower बना।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
14	Apte वैसे तो शादीशुदा था लेकिन Dhirendra Jha अपनी किताब में बताते हैं कि इसके कई लड़कियों से Affair था ,जिनमें से एक 18-19 साल की christian लड़की Manorama थी। 1946 में Apte ने Manorama को अपनी wife बताकर Savarkar से भी मिलवाया था।	News Click 12th January 2022	https://www.newsclick.in/How-Gandhi-Assassins-Betrayed-their-Lovers
15	एक आर्टिकल जो अग्रणी में छपा उसकी heading थी 'Gandhi, Commit Suicide', इसने गांधी को आत्महत्या करने की या Indian Politics से अलग होने की सलाह दी।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 8)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
16	August 1947 में 'अग्रणी' newspaper पर एक और penalty लगी जिसको भरने की बजाय, गोडसे और Apte, 'Hindu Rashtra' के नाम से एक नया अख़बार शुरू कर दिया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 9)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
17	जुलाई में गांधी को मारने का plan discuss हुआ। अगस्त में सावरकर, गोडसे, और आप्टे दिल्ली गए। कुछ महीने तक इस बारे में और कुछ नहीं हुआ।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
18	गांधी उस वक्त इतने influential थे कि वो देश के हिंदुओं के सबसे बड़े leader थे, और उनकी वजह से RSS और Hindu Mahasabha जैसे organisations, एकदम marginalised हो चुके थे।	Frontline 17th October 2024	https://frontline.thehindu.com/books/mahatma-gandhi-assassination-golwalkar-excerpt-rss-godse-savarkar-sangh-parivar/article68764269.ece
19	Partition के बाद दिल्ली में दंगे हुए, और सितंबर में गांधी ने Golwalkar से इनके बारे एक meeting भी की।	Indian Express 16th April 2019	https://indianexpress.com/article/opinion/columns/what-mahatama-gandhi-really-said-m-s-golwalkar-rss-chief-5677390/
20	इसके बाद गांधी ने religious harmony के लिए काम करना शुरू कर दिया। जिससे RSS भड़क गया।	Ramchandra Guha .in	https://ramachandraguha.in/archives/india-against-gandhi-financial-times-weekend.html
21	8 December 1947 को Delhi Police के Intelligence Department ने note किया कि एक closed door meeting	Catch News 10th February 2017	https://www.catchnews.com/politics-news/exclusive-rss-chief-golwalkar-threatened-to-kill-gandhi-1947-cid-report-1469535385.html

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
22	में RSS के Head, M.S. Golwalkar ने कहा कि Mahatma Gandhi मुसलमानों को India में रखना चाहते हैं, और Mahatma Gandhi अब हिंदुओं को और mislead नहीं कर सकते। हमारे पास तरीके हैं जिससे ऐसे लोगों को तुरंत चुप कराया जा सकता है लेकिन हमारा tradition नहीं है कि हम किसी हिंदू को नुक़सान पहुँचाएँ। लेकिन अगर हमको मजबूर किया गया तो हमको यह रास्ता भी चुनना पड़ेगा। Golwalkar के इस बयान के 3 हफ़्ते बाद, Godse, Apte और Karkare गांधी की हत्या की साजिश में लग गए।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
23	इसके बाद सवाल उठा कि गांधी को मारेगा कौन? Narayan Apte और Nathuram Godse में से कोई भी इसके लिए तैयार नहीं था। 2 जनवरी 1948 को ये दोनों जाकर Vishnu Karkare से अहमदनगर में मिले। Vishnu Karkare ने इनको मदनलाल पाहवा नाम के पाकिस्तान से आए एक 23 साल के refugee से मिलाया, जो पिछले कई हफ्तों से Karkare के साथ रह रहा था।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
24	करकरे ने पाहवा को लालच दिया था कि वो उसकी coconut shop खुलवा देगा। लेकिन करकरे उसका इस्तेमाल किसी गुंडे की तरह, Muslim रेहड़ीवालों और दुकानदारों को परेशान करने के लिए करने लगा। 6 जनवरी को पाहवा को बताया गया कि गांधी को मारा जाएगा क्योंकि वो हिंदू राष्ट्र बनने में रुकावट हैं, लेकिन पाहवा को यह नहीं बताया गया कि गांधी की हत्या उससे कराने का plan है। 9 जनवरी को ये लोग बड़गे से भी मिले और इन्होंने बड़गे के घर Arms inspect की। बड़गे और उसके helper शंकर ने इनको 1 hand grenade, 2 revolvers और 1 gun-cotton slab दिखाए और इनको चलाने का process समझाया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
25	Godse ने इस पूरे murder plan से safe रहने के लिए 20 जनवरी को एक शादी के लिए नागपुर में होने का impression बनाया। उसने गांधी की हत्या कराने के लिए भी इसी शादी का दिन चुना जिससे कि यह दिल्ली में न होने की बात prove कर पाए, और गांधी हत्या के बाद में ख़ुद बच जाए।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 11)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
26	लेकिन 14 जनवरी को Godse और Apte, पूना से Bombay जाने के लिए निकले और उन्होंने ख़ुद ही अपना cover blow कर दिया। उनकी सीट के सामने Shanta Modak नाम की एक मराठी फ़िल्म actress बैठी थी। Apte ने उससे बात शुरू कर दी, और अपने आप को Hindu Rashtra का मालिक और Godse को उसका editor बताया। इन्होंने Shanta Modak के साथ coffee भी पी और इनको बताया कि यह Bombay के Shivaji Park में सावरकर सदन जा रहे हैं। Shanta ने इन्हें lift offer की और सावरकर सदन छोड़ दिया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 11)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
27	इसके बाद Godse और Apte सावरकर सदन पहुँचे। 14 जनवरी को शाम 7:30 बजे इनकी सावरकर से Meeting हुई। इसके बाद शाम के 8:15 बजे जैसे ही यह सावरकर सदन से बाहर निकले इनको वहाँ दिगम्बर बड़गे मिला।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 11)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
28	बड़गे ने इनको बताया कि वो हथियार ले आया है। Apte पहले Savarkar Sadan गया लेकिन वहाँ उसको हथियार रखने की कोई safe जगह नहीं मिली। न ही इनको Hindu Mahasabha का office हथियार रखने के लिए safe लगा। इसके बाद Apte ने Bombay के Bhuleshwar temple के Dixit Maharaj के यहाँ हथियार रखने का decide किया। यह इसलिए किया गया क्योंकि मंदिर पर police raid पड़ने की संभावना कम थी। इसके बाद Apte ने Karkare को हथियार दे दिए और Pahwa के साथ यह बैग लेकर दिल्ली जाने को कहा। Godse इस समय हुआ एक एक छोटा-छोटा खर्चा अपनी notebook में लिख रहा था कि taxi वाले को कितने पैसे दिए। यही notebook बाद में police की Help करने वाली थी।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 11)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
29	अगर पहवा, गांधी को मारने में fail हो जाता तो इसके लिए Apte एक दूसरा contingency plan भी बना रहा था। जिसमें गांधी की हत्या Badge करने वाला था।Nathuram Godse ने अपने छोटे भाई Gopal Godse को भी इस plan में शामिल कर लिया। 17 January 1948 की सुबह 7 बजे Godse, Apte, बड़गे और Shankar Bombay के VT Station पर मिले। इसके बाद यह चारों सावरकर सदन गए। Shankar ने बाहर इंतज़ार किया, और बड़गे को Ground floor पर रुकने को कहा गया। Godse और Apte, सावरकर से मिलने ऊपर गए। 5-10 मिनट के बाद ये नीचे आए, इनके पीछे सावरकर भी आए और सावरकर ने उन्हें कहा कि "सफल होकर वापस आओ"। इसके बाद Godse और Apte ने दिल्ली जाने वाला एक plane पकड़ा।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 11)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
30	दिल्ली पहुंचकर ये लोग Connaught Place के Marina Hotel में कमरा लेते हैं, और फिर 18 जनवरी और 19 जनवरी को Birla House की रेकी करते हैं, जहाँ पर महात्मा गांधी रह रहे थे।	Indian Express 16th November 2021	https://indianexpress.com/article/india/india-others/retracing-godses-journey-a-hotel-in-cp-a-city-divided-and-a-failed-bid-to-kill-the-mahatma-2276641/
31	गोपाल गोडसे भी एक revolver लेकर दिल्ली आता है और इनको join करता है। इसके बाद Gopal, Karkare और Pahwa, Hindu Mahasabha के दफ़्तर में रुकते हैं। लेकिन इसी बीच Pahwa दिल्ली आकर अपने मामा से मिलता है, जो उसको बताते हैं कि उसकी शादी, उसके पिता ने तय कर दी गई है ।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 12)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
32	19 जनवरी को Pahwa से पूछा गया कि क्या वो गांधी की हत्या करने की position में है। Pahwa ने मना कर दिया। वो अब अपने पिता की पसंद की गई लड़की से शादी का सोचकर वो कुछ भी ऐसा नहीं करना चाहता था जिससे उसकी जिंदगी ख़राब हो।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 13)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
33	इसके बाद इनका पूरा plan गड़बड़ा गया। Godse भी यह हत्या करने को तैयार नहीं था। इसके बाद Apte ने बड़गे को photographer बनकर गांधी को गोली मारने की जिम्मेदारी दी इन्होंने Pahwa को भी involved रखा जिससे वो यह बात किसी और को नहीं बताए। उसको Birla House के prayer grounds के बाहर guncotton slab से blast करके distraction करने की जिम्मेदारी दी गई। प्लान था कि Pahwa guncotton slab को ignite करेगा, इसके बाद बाक़ी लोग hand grenades फेंकेंगे और इसी भगदड़ में बड़गे, गांधी को गोली मार देगा। Pahwa ने guncotton slab को explode कर दिया। इतने में Nathuram Godse, Apte और Gopal Godse, taxi में बैठकर भाग गए। लेकिन बड़गे डर गया और उसने गांधी को नहीं मारा। पुलिस ने Pahwa को पकड़ लिया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 13)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
34	इसके बाद Godse और Apte ने Bombay आकर 23 January 1948 को यह decide किया कि अब Nathuram Godse ही Gandhi को मारेगा। लेकिन अब तक Police इनको ढूँढने लग गई थी। Pahwa ने अपने interrogation में Ahmednagar के "Karkara Seth'(karkare) और पूना के Hindu Rashtra के editor, publisher और editor के छोटे भाई के बारे में बता दिया था। साथ में इसने एक दाढ़ी वाले weapons supplier और उसके नौकर के बारे में बताया था। 25 जनवरी को Nathuram Godse, Gopal Godse और Narayan Apte मिले। Godse को लग रहा था कि उसके पास जो revolver है वो बहुत ज़्यादा काम की नहीं है तो वो Gwalior गया जहाँ पर Dattatreya Parchure ने उसके लिए एक fully loaded automatic Beretta pistol arrange करा दी। इसके बाद 29 जनवरी की को Godse और Apte ने दिल्ली पहुँचे। दिल्ली पहुंचकर Godse ने railway station के retiring room में अपना नाम Vinayak Rao बताकर एक कमरा book किया। शाम में Karkare, Gandhi की prayer meeting को जाकर security arrangements देखकर आया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 14)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
35	30 जनवरी को शाम 5 बजे गांधी की prayer meeting शुरू होनी थी। जिससे 10 मिनट पहले godse वहाँ पहुँच गया था। उस दिन गांधी की सरदार पटेल के साथ एक मीटिंग थी जो शाम के 4:30 बजे शुरू हुई। और यह 5:10 पर ख़त्म हुई। इस वक्त उनसे गुजरात के काठियावाड़ के दो नेता मिलने आए, तो उनकी grand-niece Manu ने पूछा कि क्या वो उनसे मिलेंगे इसपर गांधी ने कहा कि "उन्हें कहो कि अगर मैं ज़िंदा रहा तो प्रार्थना के बाद वो मेरे साथ मेरी walk पर बात कर सकते हैं।"	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 14)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
36	जब तक गांधी बाहर निकले वो 15 मिनट late थे। वो अपनी grand-nieces Manu और Abha के कंधों पर हाथ रखकर prayer meeting में enter हुए।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 15)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
37	Godse इतने में Gandhi के पास पहुँचा और Manu के पास से गांधी की तरफ़ बढ़ा जैसे उनके पैर छूने जा रहा हो। मनु ने उसे रोकने की कोशिश की यह बोलकर की हम already late हैं। इतने में Godse ने Manu Gandhi को धक्का दे दिया, नमस्ते गांधीजी कहा और revolver निकालकर तीन गोलियाँ चला दी। एक गोली उनके सीने में और 2 गोलियाँ उनके पेट में लगी। गांधी के मुंह से सिर्फ़ 'Hey Ram!' शब्द निकले।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 1)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
38	गांधी ने उसी सुबह मनु गांधी को कहा था कि, अगर कोई मुझ पर गोलियाँ चलाए और मैं बिना तड़पे, और भगवान का नाम अपने होंठों पर लिए मर जाऊं, तो तुम दुनिया से कहना कि यहाँ एक सच्चा महात्मा था..."	MK Gandhi .org	https://www.mkgandhi.org/last-days/last-hours.php

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
39	पता चलते ही कि इस हत्या के पीछे हिंदू महासभा और नाथूराम गोडसे है, हज़ारों लोगों की भीड़ सावरकर सदन के बाहर इकट्ठा हो गए और उसको आग लगाने की कोशिश की, लेकिन सही समय पर पुलिस ने आकर उसे ऐसा करने से रोक लिया। नागपुर में भी RSS headquarter और Golwalkar के घर पर पत्थर फेंके गए। देशभर में RSS और हिंदू महासभा के offices पर हमला हुआ और RSS और हिंदू महासभा के लोग अपनी जान बचाने के लिए छुपने और भागने लगे।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 15)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
40	RSS और Hindu Mahasabha ने भी लोगों का उनके ख़िलाफ़ इस तरह का reaction predict नहीं किया था। 24 घंटे के भीतर उनकी स्तिथि इतनी ख़राब हो गई की वो अपने आप को बचाने के तरीके ढूँढने लगे। Golwalkar ने अगले दिन एक written statement में गांधी को 'the great mahatma' कहा, लेकिन इस हत्या से पहले वो गांधी के ख़िलाफ़ ज़हर उगल रहे थे। RSS ने अपने आप को बचाने के लिए यह तक कहा कि हम तो गांधी के आदर्शों में मानते हैं। जब 31 जनवरी को पुलिसवाले सावरकर के घर गए तो सावरकर ने CID के deputy commissioner से पूछा कि क्या वो उनको arrest करने आए हैं, जबकि Police वहाँ सिर्फ़ search करने गई थी। RSS और Hindu Mahasabha ने गोडसे को भी disown कर दिया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 15)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
41	गोडसे को पकड़कर पहले तुगलक रोड थाने में लाया गया, जहाँ उससे पूछताछ हुई और उसके बाद Parliament Street police station में उससे लंबी पूछताछ की गई। 31 जनवरी को उसे magistrate के सामने ले जाया गया जिसने उसे police custody में भेज दिया। शाम तक गोडसे uneasy होने लगा क्योंकि उसको लगा था कि गांधी को मारने के बाद वो hero बन जाएगा और हिंदू और सिख refugees उसके support में उठ खड़े होंगे, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उसने गांधी की हत्या करके गांधी को और भी महान बना दिया था।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 16)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
42	4 फ़रवरी 1948 को भारत सरकार ने RSS को Ban कर दिया।	The Wire 30th January 2023	https://thewire.in/history/sardar-patel-rss-ban-1948
43	Jamshed Dorab Nagarwala, Bombay CID के deputy commissioner 20 जनवरी को Pahwa को पकड़ने के बाद से ही इस conspiracy को investigate कर रहे थे। 31 जनवरी को सुबह 5:30 बजे Nagarwala और इनकी Team ने Badge को पकड़ लिया। 5 फ़रवरी को गोपाल गोडसे को पकड़ा गया। लेकिन Apte और Karkare अभी भी ग़ायब थे।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 16)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
44	इसी बीच नाथूराम ने पुलिस को Apte की प्रेमिका Manorama के बारे में बताया,	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 16)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
45	27 फ़रवरी 1948 को Home Minister Vallabhbhai Patel ने Jawaharlal Nehru को एक letter लिखा जिसमें उन्होंने कहा कि "में बापू की हत्या के case पर daily update ले रहा हूँ, और Savarkar के under Hindu Mahasabha की fanatical wing ने इस हत्या की साजिश की और बाद में इसको अंजाम दिया।"	Frontline 5th October 2012	https://frontline.thehindu.com/the-nation/savarkar-and-gandhis-murder/article64912273.ece?utm_source=pocket_reader
46	Nathuram का interrogation 4 मार्च 1948 तक चला. सावरकर को भी arrest कर लिया गया। 24 May 1948 को Godse और बाक़ी लोगों का trial शुरू हुआ।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 16)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
47	गांधी ने आख़िर तक Partition का विरोध किया था। 3 जून 1947 को जिस दिन partition को announce किया गया था उस दिन भी गांधी ने Rajendra Prasad को कहा था "I can see only evil in the plan."	The Hindu 23rd November 2018	https://www.thehindu.com/opinion/op-ed/gandhi-opposed-partition/article25570495.ece
48	जबकि सावरकर, जिनको नाथूराम गोडसे सबसे ज़्यादा मानते थे उन्होंने 1943 में कहा था कि "मुझे मिस्टर जिन्ना की two-nation theory से कोई झगड़ा नहीं है। हम, हिंदू, अपने आप में एक राष्ट्र हैं और यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि हिंदू और मुसलमान दो राष्ट्र हैं।"	JSTOR The Killing of Gandhi, the Tales Told Thereafter: A Scrutiny of the Sectarian Narrative - Anil Nauriya (Page 70)	https://www.jstor.org/stable/27286348
49	गोडसे ने यह भी कहा कि गांधी को मारने के पीछे एक और कारण यह था कि गांधी ने पाकिस्तान बनने के बाद, और पाकिस्तान के कश्मीर पर हमला करने के बाद भी पाकिस्तान को undivided indian governement के cash balance में से 55 करोड़ रुपए देने के लिए गांधी ने fast किया।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (chapter 10)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
50	इसमें दो बातें हैं, DW के हिसाब से गांधी ने यह अनशन दोनों धर्मों के लोगों के बीच शांति की बात की.	DW 2nd October 2019	https://www.dw.com/hi/fact-check-did-gandhi-fast-to-give-55-crores-to-pakistan/a-50681558

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
51	15 जनवरी को एक पत्रकार ने उनसे इस उपवास की वजह पूछी. इस सवाल के जवाब में भी गांधी ने पाकिस्तान को दिए जाने वाले 55 करोड़ रुपये का कोई जिक्र नहीं किया था. गांधी के उपवास को खत्म करवाने के लिए बनाई गई समिति द्वारा गांधी जी को दिए गए आश्वासनों में भी पाकिस्तान को पैसे दिया जाना शामिल नहीं था.	MK Gandhi .org	https://www.mkgandhi.org/faq/q3.php
52	लेकिन गांधी ने पूरी जिंदगी hinduism को practice किया। इस बारे में Dr Rammanohar Lohia ने 1950 में लिखा कि गांधी की हत्या के पीछे Hindu-Muslim की बात नहीं थी, बल्कि fanatical hindus और liberal hindus की लड़ाई थी। गांधी जिस तरह से hinduism में caste, women और tolerance के हिसाब से reforms की बात कर रहे थे, उससे fanatical hindus बहुत नाराज़ थे। Hinduism बचाने के नाम पर caste बचाने की कोशिश हो रही थी।	JSTOR The Killing of Gandhi, the Tales Told Thereafter: A Scrutiny of the Sectarian Narrative - Anil Nauriya (page 72-73)	https://www.jstor.org/stable/27286348
53	Digambar Badge पुलिस का informer बन गया था और उसने सावरकर के इस साजिश में शामिल होने के कई incidents बताए, जैसे सावरकर सदन में हथियार छुपाने की कोशिश, दिल्ली जाने से पहले सावरकर से मिलना और सावरकर का "सफल होकर वापस आओ" कहना। इसके अलावा Train में Godse को मिली Actress Shanta Modak ने भी इस बात की गवाही दी कि उन्होंने Godse और Apte को सावरकर सदन छोड़ा था।	Frontline 5th October 2012	https://frontline.thehindu.com/the-nation/savarkar-and-gandhis-murder/article64912273.ece?utm_source=pocket_reader

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
54	सावरकर के bodyguard ने Bombay Police को दी अपनी statement में कहा कि जनवरी में Godse, Apte और करकरे तीन बार सावरकर से मिलने आए। सावरकर के Secretary ने भी अपने बयान में कहा कि जनवरी के पहले हफ़्ते में करकरे और एक पंजाबी लड़का और middle of january में गोडसे और आप्टे सावरकर से मिलने आए थे। लेकिन इन दोनों ने court में testify नहीं किया।	Frontline 5th October 2012	https://frontline.thehindu.com/the-nation/savarkar-and-gandhis-murder/article64912273.ece?utm_source=pocket_reader
55	इस case में Godse और Apte को मौत की सजा दी गई। सावरकर को छोड़ दिया गया और बाक़ी 5 Accused को life imprisonment की सजा दी गई। 10 February 1949 को इनको सजा दी गई। Godse ने इसके ख़िलाफ़ 22 February 1949 को शिमला में East Punjab High Court में Appeal file की।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 17)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
56	High Court में गोडसे का case सुनने वाले Justice G D Khosla ने बाद में अपनी किताब The Murder of the Mahatma में लिखा की, "गोडसे के कदम लड़खड़ा जाते थे, उसका व्यवहार उसकी घबराहट और डर की स्थिति को दिखा रहा था।उसने एक साहसी चेहरा बनाए रखने की कोशिश की लेकिन उसकी आवाज काँप जाती थी और उसकी energy ख़त्म हो चुकी थी।"	MK Gandhi .org The Murder of the Mahatma	https://www.mkgandhi.org/ebks/the-murder-of-the-mahatma.pdf

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
57	17 मई को High Court में Arguments ख़त्म होने के बाद गोडसे को महात्मा गांधी के बेटे Ramdas Gandhi की एक चिट्ठी आई जिसमें उन्होंने कहा कि मैंने Governor General of India से request की है कि गोडसे को death penalty नहीं दी जाए। गोडसे ने इस चिट्ठी का जवाब देते हुए कहा कि "एक इंसान के रूप में मेरे पास कोई शब्द नहीं हैं, जिससे मैं उन घावों के प्रति अपनी भावना व्यक्त कर सकूं, जो आपके और आपके रिश्तेदारों को मेरे हाथों हुए आपके पूजनीय पिता के दुखद अंत से प्राप्त हुए होंगे।" गोडसे ने उनको लिखा कि आप मेरे execution से पहले मुझे आकर मिलो।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 17)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
58	गोपाल गोडसे ने भी बाद में लिखी अपनी किताब "Why I Assassinated Mahatma Gandhi?" में लिखा कि , 'यदि हृदय परिवर्तन गांधीवाद का एक मुख्य सिद्धांत था, तो इसे death sentence लागू न करके यहां आजमाया जा सकता था।, Nathuram गांधीवादियों की तरफ़ से ऐसी किसी कोशिश का anxiously wait कर रहा था'	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 17)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
59	इसके बाद नवंबर 1949 में LG Thatte, जो 1944 में गांधी पर हुए murder attempt में गोडसे के साथ था, उसने Governor General of India को एक letter लिखा कि Godse और Apte को गांधीवादी सर्वोदय समाज के supervision में रखा जाए जिससे कि Godse और Apte की सोच को बदला जा सके। यानी कि गोडसे के साथी ही अब गोडसे को उसकी जान बचाने के लिए गांधीवादी बनाने को तैयार थे।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 18)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
60	लेकिन अभी भी एक सवाल था कि क्या गोडसे को गांधी की हत्या की सजा में फाँसी दी जाएगी, क्योंकि गांधी अगर होते तो इसके ख़िलाफ़ होते। इस सवाल पर उस समय के सबसे बड़े गांधीवादियों में से एक Kishorlal Mashruwala ने Gandhi के द्वारा शुरू किए गए journal हरिजन में एक article लिखा। इन्होंने कहा कि अगर सिद्धांतों के हिसाब से देखा जाए तो महात्मा गांधी के हत्यारे को फाँसी देना उनकी glory को कम करेगा, इसलिए उनके हत्यारे को ज़िंदा रखना काफ़ी grace का काम होगा। लेकिन इसको ऐसे देखा जाएगा कि जैसे सरकार govern करने में incapable है, और इसका सीधा मतलब होगा फाँसी की सजा का अंत। क्योंकि अगर गोडसे को ज़िंदा रखा गया और बाक़ी हत्यारों को फाँसी दी गई तो लगेगा कि सिर्फ़ अहिंसा के महात्माओं को मारने पर फाँसी नहीं होगी। इसलिए अगर भारत सरकार Godse को फाँसी देती है तो इसमें गलती ढूँढना मुश्किल होगा।इस article के बाद फाँसी के सवाल पर debate ख़त्म हो गया और गोडसे को 15 नवंबर 1949 को फाँसी दे दी गई।	Book : Gandhi's Assassin: The Making of Nathuram Godse (Chapter 18)	https://www.amazon.in/Gandhis-Assassin-Making-Nathuram-Godse/dp/0670096474
61	Justice GD Khosla ने अपनी किताब में लिखा है कि गोडसे ने जेल में अपने अंतिम दिनों में अपने काम पर पश्चाताप किया था और कहा था कि यदि उसे दूसरा मौका दिया जाए, तो वह अपना बाक़ी जीवन शांति के प्रचार और अपने देश की सेवा में बिताएगा।	MK Gandhi .org The Murder of the Mahatma	https://www.mkgandhi.org/ebks/the-murder-of-the-mahatma.pdf

Sr. No	Statement	Source	Link to Source
62	गोडसे ने गांधी को जरूर मार दिया लेकिन गांधी के Non-violence और अन्याय के ख़िलाफ़ लड़ने के Ideas अभी तक ज़िंदा है। उनकी मौत के बाद गांधी के तरीकों ने अमेरिका में Civil Rights Movement और उसके leader Martin Luther King Jr. को inspire किया।	Live Science 8th September 2008	https://www.livescience.com/2851-gandhi-changed-world.html
63	South Africa में Apartheid के ख़िलाफ़ लड़ने वाले Nelson Mandela भी गांधी से प्रभावित हुए।	Diplomatist 23rd July 2020	https://diplomatist.com/2020/07/23/nelson-mandelas-umbilical-bond-with-mahatma-gandhi/
64	2 अक्टूबर 2019 को नरेंद्र मोदी ने भी New York Times में एक Article लिखा जिसकी headline थी "Why India and the World Need Gandhi"	The New York Times 2nd October 20219	https://www.nytimes.com/2019/10/02/opinion/modi-mahatma-gandhi.html
65	Albert Einstein ने गांधी की हत्या पर कहा था 'Generations to come will scarce believe that such a one as this ever in flesh and blood walked upon this earth'	The Economic Times 2nd October 2019	https://economictimes.indiatimes.com/news/politics-and-nation/pm-moots-einstein-challenge-in-tribute-to-mahatma-gandhi-in-nyt-op-ed/articleshow/71408438.cms?from=mdr